Demand for realignment of Bombay-Delhi Express Highway proposed under Bharat Mala Project

डा. किरोड़ी लाल मीणा (राजस्थान)ः महोदय, भारत सरकार के सड़क परिवहन मंत्रालय द्वारा एक महत्वपूर्ण economic corridor भारत माला परियोजना के तहत विकसित किया जा रहा है, उसके lot 4/पैकेज 4 (राजस्थान हरियाणा राजस्थान मध्य प्रदेश बॉर्डर) के द्वारा दिल्ली से हरियाणा के नुहूँ एवं यहां से राजस्थान के अलवर, राजगढ़, सिकन्दरा, दौसा, लालसोट, सवाई माधोपुर होते हुए मध्य प्रदेश बॉर्डर तक जाएगा। इस रूट के alignment को राजगढ़ के सिकन्दरा के बजाय राजगढ़ से NH-11 पर जयपुर आगरा के मध्य स्थित महवा से जोड़ा जाना जनहित में होगा। महवा से जोड़े जाने से विश्व प्रसिद्ध ताजमहल एवं आगरा की दूरी मात्र 60-70 कि.मी. रह जायेगी तथा यहां से इसे प्रस्तावित रोड़ सिकन्दरा, दौसा एवं लालसोट, सवाई माधोपुर होते हुए मध्य प्रदेश की सीमा तक ले जाया जा सकेगा। दूसरी तरफ मध्य प्रदेश एवं राजस्थान के मध्य बह रही चम्बल नदी के अति पिछड़े बीहड़ क्षेत्र का भी करौली से महवा पर सीधा सम्पर्क हो सकेगा तथा मध्य प्रदेश के भिंड, मुरैना, ग्वालियर के जरिए जबलपुर बॉम्बे रोड से जयपुर आगरा सड़क NH-11 महवा पर सम्पर्क हो जाने से बॉम्बे की दिल्ली से 400 कि.मी. की दूरी कम हो जाएगी। इस प्रकार उस alignment को राजगढ़ से महवा point पर ले जाने से करोली होते हुए मध्य प्रदेश की सीमा की दूरी 200 कि.मी. कम कर देगा जहां पर NH पहले से बना हुआ है तथा महवा से सिकन्दरा, दौसा, लालसोट, सवाई माधोपुर होते हुए मध्य प्रदेश की सीमा पर ले जाया जा सकेगा।

अतः जनहित में इस सड़क का alignment राजगढ़ से महवा तक जोड़ा जाए तथा यहां से सिकन्दरा, दौसा, लालसोट, सवाई माधोपुर के द्वारा मध्य प्रदेश की सीमा से जोड़ा जाए।

...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Shrimati Shanta Chhetri, not present. Shrimati Vandana Chavan, not present. Shri K.C. Ramamurthy, not present. Shri Harnath Singh Yadav.

Need to regularize various professionals engaged in field of education and to discontinue regularizing the institution without financial grants

श्री हरनाथ सिंह यादव (उत्तर प्रदेश)ः महोदय, मैं आपकी अनुमति से अत्यंत लोक महत्व के विषय को अविलम्बनीय चिंतन योग्य विषय पर सदन और सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं।

महोदय, ज्ञान की सदैव और सर्वत्र पूजा हुई है और ज्ञान उच्च कोटि की शिक्षा व्यवस्था से समृद्ध होता है। यह सर्व-स्वीकार्य है कि शिक्षा समग्र विकास की जननी है, आधारशिला है। जो व्यक्ति, समाज या देश शिक्षा के क्षेत्र में समृद्ध है, वही वर्ग, विकास अथवा सम्मान की दृष्टि से अग्रिम पंक्ति में खड़े हैं।

महोदय, आज़ादी के बाद शिक्षा की सदैव उपेक्षा का ही परिणाम है कि आज पूरा देश अनेक प्रकार की समस्याओं से जूझ रहा है।